

‘सचचर समिति की सिफारिशों के कार्यान्वयन’ के संबंध में ‘अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री महोदय के 15 सूत्रीय कार्यक्रम’ से जुड़े विभिन्न मुद्दों का प्रचार-प्रसार करते हुए सूचना और प्रसारण मंत्रालय के माध्यम एककों द्वारा किए गए प्रचार कार्य पर की गई कार्रवाई संबंधी नोट
जुलाई 2018 - सितंबर 2018

पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी)

- पत्र सूचना कार्यालय प्रधानमंत्री महोदय के 15 सूत्रीय कार्यक्रम तथा सचचर समिति की सिफारिशों के अंतर्गत अल्पसंख्यकों के कल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर नियमित रूप से विज्ञप्तियों/फीचर्स का प्रकाशन करता रहा है।
- इसके विभिन्न क्षेत्रों से उक्त विषय पर 174 प्रेस विज्ञप्तियां और दो वार्तालाप जारी किए गए।

लोक संपर्क ब्यूरो (बीओसी)

➤ क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय (डीएफपी)

- क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के क्षेत्रीय प्रचार एककों ने देश के विभिन्न भागों में अल्पसंख्यकों के कल्याण तथा सचचर समिति की सिफारिशों के कार्यान्वयन हेतु प्रधानमंत्री महोदय के नए 15 सूत्रीय कार्यक्रम की थीम पर कई प्रचार-प्रसार कार्यक्रमों का आयोजन किया है।
- अभियान का मुख्य बल सरकार की फ्लैगशिप स्कीमों अर्थात् ‘स्वच्छ भारत मिशन’, ‘प्रधानमंत्री उज्जवला योजना (पीएमयूवाई)’, ‘प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई)’, ‘ग्रामीण विद्युतिकरण योजना’, ‘बदलता भारत’, ‘स्किल इंडिया: कौशल भारत-कुशल भारत’ और ‘आयुष्मान भारत’, ‘स्वतंत्रता दिवस’ और ‘पोषण सप्ताह’ को उजागर करना था। प्रधानमंत्री महोदय के मन की बात (एमकेबी) की स्क्रीनिंग और एमकेबी में उठाए गए मुद्दों पर केन्द्रित समूह चर्चाओं का भी आयोजन किया गया।
- निदेशालय ने लक्षित दर्शकों के साथ नियोजित कार्यक्रमों में स्थानीय भाषाओं में प्रश्नोत्तरी/वाद-विवाद, समूह चर्चाओं और सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे विभिन्न फॉर्मेटों का उपयोग किया।
- निदेशालय ने सरकार की स्कीमों पर फिल्म शोज़, समूह चर्चाओं, फोटो प्रदर्शनी आदि सहित लगभग 1302 कार्यक्रमों का आयोजन किया।
- निदेशालय ने उक्त तिमाही के दौरान देश भर में कई अल्पसंख्यक बहुल गांवों में अपने प्रचार कार्यक्रमों के जरिए 114 हजार से अधिक लोगों (लगभग) को सरकारी नीतियों की जानकारी देने का कार्य किया।

➤ गीत और नाटक प्रभाग

- गीत और नाटक प्रभाग ने लाइव मीडिया जैसे नाटक, लोक गीत, कठपुतली कला आदि के जरिए भीतरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया है।
- अल्पसंख्यकों के कल्याण तथा सचचर समिति की रिपोर्ट के कार्यान्वयन के लिए प्रधानमंत्री महोदय के नए 15 सूत्रीय कार्यक्रम की मुख्य विशेषताओं से जुड़े संदेशों का प्रभावी ढंग से संचार करने हेतु इन कार्यक्रमों को स्थानीय भाषाओं तथा बोलियों में प्रस्तुत किया जाता है।
- उक्त प्रभाग ने सितंबर 2018 को समाप्त तिमाही के दौरान 111 प्रचार-प्रसार कार्यक्रम प्रस्तुत किए थे।

➤ विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय (डीएवीपी)

- यह निदेशालय भारत सरकार की विभिन्न स्कीमों, निधियों, छात्रवृत्तियों आदि का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए अल्पसंख्यकों के कल्याण से जुड़े विषय पर इनके लिए उपलब्ध निधियों से अखिल भारतीय आधार पर समय-समय पर विज्ञापन जारी करता रहा है।
- विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय ने उक्त तिमाही के दौरान कई समाचारपत्रों में 4 विज्ञापन जारी किए।
- “प्रीमैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक और मैरिट- कम-मींस के लिए छात्रवृत्ति”, “हुनर हाट”, और “शिल्प हाट” जैसे विषयों पर समाचारपत्र विज्ञापन जारी किए गए।
- डीएवीपी ने उक्त तिमाही के लिए डिजिटल सिनेमा, आउटडोर मीडिया, प्राइवेट एफएम तथा टीवी से जुड़े विषय पर कोई अभियान/प्रचार नहीं किया था।

आकाशवाणी

- सभी आकाशवाणी केंद्रों ने ‘अल्पसंख्यकों के कल्याण’ पर समुचित कार्यक्रम तैयार करके उक्त विषय का व्यापक प्रचार-प्रसार किया।
- कई फॉर्मेटों का प्रयोग किया गया जिसमें वार्ता, कंपेरिंग, सीधी चर्चा, साक्षात्कार, स्पोर्ट्स, युवा कार्यक्रम आदि शामिल थे।
- कार्यक्रमों का मुख्य बल 15 सूत्रीय कार्यक्रम तथा सच्चर समिति की रिपोर्ट के विभिन्न घटकों के बारे में जागरुकता में वृद्धि करना था।
- उक्त तिमाही के दौरान आकाशवाणी केंद्रों द्वारा कुल 369 कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया।

दूरदर्शन

- देशभर में विभिन्न दूरदर्शन केंद्र अल्पसंख्यकों के कल्याण तथा सच्चर समिति की सिफारिशों के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न फॉर्मेटों के जरिए प्रधानमंत्री महोदय के नए 15 सूत्रीय कार्यक्रम पर कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं।
- कार्यक्रमों के फॉर्मेट में पैनल चर्चाएं, स्टूडियो आधारित चैटशौ, सीधी चर्चा, फोन पर चर्चा, टीवी रिपोर्ट आदि शामिल हैं।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय
जुलाई 2018 से सितंबर 2018 तक की राज्य-वार तिमाही प्रगति रिपोर्ट (क्यूपीआर)

क्र. सं.	राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के नाम	बीओसी (डीएफपी) द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की संख्या	पीआईबी द्वारा प्रेस प्रकाशनी	आकाशवाणी द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों की संख्या	बीओसी (गीत और नाटक प्रभाग) द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों की संख्या	बीओसी (डीएवीपी) द्वारा प्रिंट मीडिया पर प्रतिबद्धता राशि (रु. में)	दूरदर्शन द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों की संख्या
1	अंडमान और निकोबार	-	-	-	-	30,123	-
2	आंध्र प्रदेश	-	17	15	-	7,67,994	4
3	तेलंगाना		10 और 1 वार्तालाप	-	-	14,88,488	-
4	अरुणाचल प्रदेश	144	-	-	-	15,355	-
5	असम	4	-	-	52	3,05,000	-
6	बिहार	159	-	187	-	14,74,494	8
7	चंडीगढ़	95	-	-	4	4,31,860	-
8	छत्तीसगढ़	8	-	7	-	8,24,469	-
9	मध्य प्रदेश	13	-	27	-	16,04,391	-
10	दादरा और नगर हवेली	-	-	-	-	43,815	-
11	दमन और दीव	-	-	-	-	4,889	-
12	गुजरात	0	11	-	-	18,16,772	33
13	जम्मू और कश्मीर	0	1 (वार्तालाप)	-	-	7,89,173	2
14	झारखंड	0	-	5	-	7,14,058	-
15	कर्नाटक	167	-	5	-	9,66,676	-
16	केरल	165	1	13	-	14,00,063	11
17	लक्षद्वीप		-	-	-	0	-
18	महाराष्ट्र	10	10	12	-	38,44,803	-

19	गोवा		-	-	-	85,356	-
20	मिजोरम	277	5	-	-	95,484	-
21	मेघालय		-	1	-	40,039	-
22	त्रिपुरा		12	9	-	1,19,205	-
23	नागालैंड	-	-	-	-	1,20,969	-
24	मणिपुर		-	-	-	1,02,489	8
25	पंजाब	6	8	-	-	6,62,424	23
26	हिमाचल प्रदेश		-	4	-	1,43,478	-
27	हरियाणा		-	-	-	3,75,271	-
28	दिल्ली		17	8	55	29,72,505	9
29	ओडिशा	0	-	7	-	11,23,961	2
30	पुदुचेरी	-	-	-	-	53,399	-
31	राजस्थान	34	8	-	-	22,99,607	4
32	तमिलनाडु	11	13	7	-	14,91,325	-
33	उत्तराखंड	-	-	-	-	1,36,905	-
34	उत्तर प्रदेश	149	28	62	-	34,71,646	10
35	पश्चिम बंगाल	34	34	-	-	8,87,188	4
36	सिक्किम		-	-	-	84,148	-